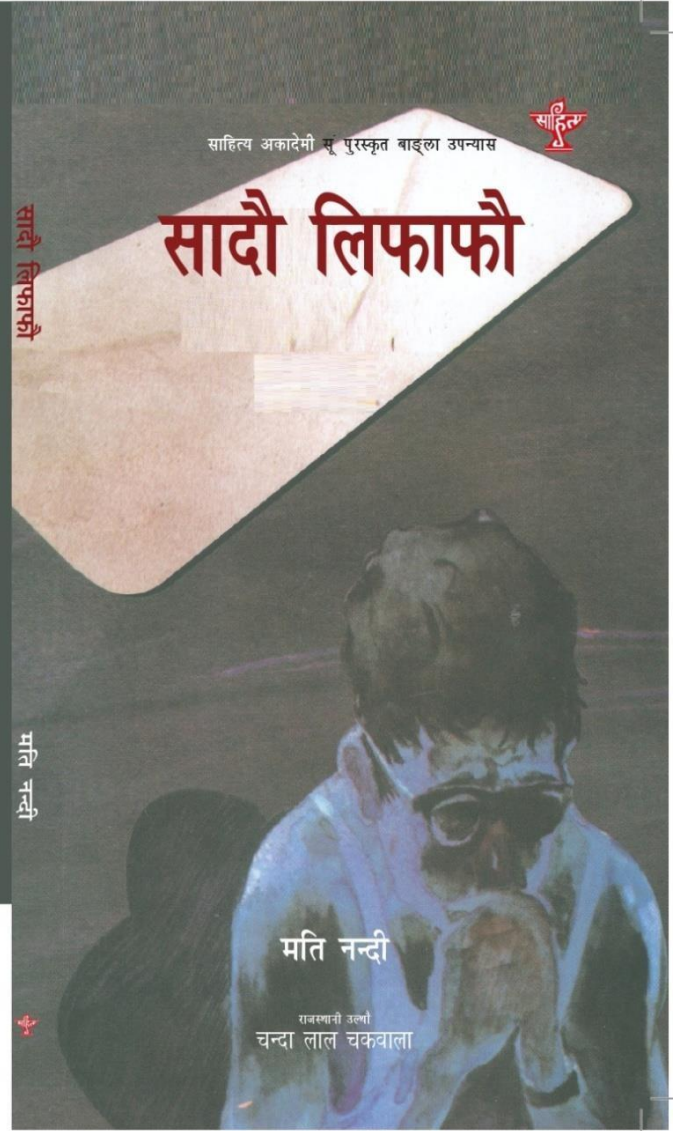


**सादौ लिफाफौ** एक कौतूहलपूर्ण अर वच्यार परख उपन्यास छै। स्पष्ट अर यथार्थवाद। लेखक घणी गहराई अर भारमिकता सँ साम्प्रतिक बांग्ला कथा साहित्य की सामाजिक चेतना का नुवा उन्मेश सँ म्हाको परीचे करवे छै। यो उपन्यास नायक का माध्यम सँ व्यक्ति की सामाजिक अस्मिता की छाणबीण करे छै। सशक्त नाटक, अनुज्ञा शिल्प विधान अर व्यक्ति के म्हेलाडी वैठी सत्ता अर संस्था सँ टकराव का सांतरा निरूपण काण यो बांग्ला उपन्यास बरस 1991 में साहित्य अकादमी पुरस्कार सँ सम्मानित हो चुक्यो छै। ई पोथी को अनवाद हिन्दी अर बांग्ला का लुटा कवि-कथाकार अर सम्पादक श्री सिद्धेश ने घणी कुसलता सँ करयो छै।

उपन्यास का यशस्वी लेखक श्री **मति नन्दी** को जन्म 1931 में कोलकाता में होयो। साहित्य सँ जुड़बा सगै ई श्री नन्दी ने बांग्ला का सुपरिचित कथाकार माणिक बन्धोपाध्याय की स्मरति में आयोजित उपन्यास प्रतियोगिता मेंहि पैलो पुरस्कार हासल करयो। बाकी पैली कहानी-सप्ताहिक देश पत्रिका में सन् 1956 माहि परकासित होई। व्हाने कोशकार का सहायक, सुतन्तर संवाददाता अर आनन्दबाजार पत्रिका, कोलकाता का खेल स्तम्भकार का रूप में पांच बरसा ताई काम करयो। व्हंकी पैली ख्याणी परिचे पत्रिका (पूजा विशेषांक) में सन् 1958 में प्रकासित होई। श्री नन्दी की रचनावां घणी सारी भारतीय भाषावां में बी अनूदित होई छै। वै बरस 1974 में आनन्द पुरस्कार सँ सम्मानित होया। वांका उपन्यासां पै फिल्मां बी बणी।

**चन्दा लाल चकवाला** (जन्म : 31 दिसंबर 1957) को जन्म गांव बालापुरा तहसील के. पाटन जिला बूंदी में किसान - परिवार में जनम। भारत सरकार का उपक्रम इंस्ट्रुमेंटेशन में 35 बरस नोकरी। व्यंग्य, गीत अर एकांकी विधा में च्यार पोथी प्रकासित। सरकारी सेवा के पाछे आपणा गांव में खेती किरसाणी अर लेखक - कारज।



साहित्य अकादमी



₹200

A Bengali (West Bengal) language book namely- Sada Kham (A/W Bengali Novel) by Moti Nandy Rajasthani Tr. Chanda Lal was translated in Rajasthani (Rajasthan) language by Sahitya Akademi, New Delhi under EK Bharat Shreshtha Bharat. The book was published on 21<sup>st</sup> January, 2020.